

06.06.17

राज्य द्वारा एडीपीओ।

आरोपीगण अनुपस्थित। अधिवक्ता श्री योगेन्द्र श्रीवास्तव ने अनुपस्थित आरोपी का आवेदन अंतर्गत धारा 317 दफ़्तर का पेश किया। आवेदन में दर्शित कारण स्वीकार कर आरोपीगण की उपस्थिति अधिवक्ता द्वारा मान्य की जाती है।

संबंधित मध्यस्थ से मध्यस्थता रिपोर्ट सेटलमेंट डीड के साथ प्राप्त जिसके अनुसार मध्यस्थता सफल रही।

प्रकरण उभयपक्ष द्वारा प्रस्तुत राजीनामा आवेदन पर विचार हेतु नियत है।

राजीनामा आवेदन पर विचार किया गया। प्रकरण का अवलोकन किया गया जिससे दर्शित है कि प्रकरण में आरोपीगण के विरुद्ध भा.द.स. की धारा 504, 325/34, भा.द.वि. के अंतर्गत आरोप पत्र तैयार किया गया है जो न्यायालय की अनुमति उपरांत राजीनामा योग्य है। फरियादी भूरेसिंह ने आरोपीगण से स्वेच्छापूर्वक बिना किसी दबाव के राजीनामा कर लेना व्यक्त किया है। राजीनामा पक्षकारों के हित में है एवं लोकनीति के अनुरूप है। अतः उभयपक्षों द्वारा प्रस्तुत राजीनामा आवेदन स्वीकार करते हुए उन्हें राजीनामा करने की अनुमति प्रदान की जाती है और राजीनामा के आधार पर आरोपी धर्मेन्द्र, रामवीर, भोगीराम को भा.द.स. की धारा 504, 325/34, के आरोप से दोषमुक्त किया जाता है।

आरोपीगण के जमानत व मुचलके उन्मोचित किए जाते हैं।

प्रकरण में कोई जप्तशुदा संपत्ति नहीं है।

प्रकरण का परिणाम दर्ज कर प्रकरण को दाखिल अभिलेखागार किया जाये।

सही / -

(गोपेश गर्ग)

ज.एम.एफ.सी., गोहद

जिला भिण्ड म.प्र.